शब्दार्थ

नवनीतः— मक्खन

तक्रः— छाछ, मटठ्ा, निस्सार

वक्रः— टेढ़ा

परित्राणः— मुक्ति

सुरः— देवता

शक्रः— इन्द्र

भवः— संसार

नक्रः— घड़ियाल